News सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-145
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार
कठोर संयम और अनुशासन के बिना मनुष्य किसी भी सद्गुण को नहीं अपना सकता।

बिहार सिटी चीफ

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

बिहार, गुरुवार 29 अगस्त 2024

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

कई DDC, नगर आयुक्त और SDM बदले गये, पटना के 3 SDO हटे

बड़े पैमाने पर IAS अधिकारियों की ट्रांसफर पोस्टिंग

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

पटना, राज्य सरकार ने आज बड़े पैमाने पर आईएएस अधिकारियों का तबादला कर दिया है. कुल 25 ड्ढ्रस् अधिकारियों का ट्रांसफर कर दिया गया है. इनमें डीडीसी, नगर आयुक्त और् एसडीएम रैंक के अधिकारी शामिल हैं. जिन आईएएस अधिकारियों को हटाया गया है, उनमें 14 को नई पोस्टिंग मिली है. जबकि 11 अधिकारियों को वेटिंग फॉर पोस्टिंग रखा गया है. राजधानी पटना के तीन अनुमंडल अधिकारी यानि एसडीएम को हटा दिया गया है.

पटना के तीन एसडीएम बदले

हाल में ही पटना में हुए लाठीचार्ज में पुलिस की लाठी खाने से चर्चे में आये पटना सदर के अनुमंडल पदाधिकारी श्रीकांत कुण्डलिक खाण्डेकर को तबादला कर दिया गया है. उन्हें नालंदा का डीडीसी बनाया गया है. वहीं, पटना सिटी की एसडीएम गुंजन सिंह का भी ट्रांसफर कर दिया गया है. उन्हें वेटिंग फॉर पोस्टिंग रखते हुए सामान्य प्रशासन विभाग में योगदान देने को कहा गया है. दानापुर के एसडीएम प्रदीप सिंह को

भागलपुर का डीडीसी बनाया गया है.

6 नगर आयुक्त बदले गये

सरकार ने कई नगर आयुक्त का तबादला किया है. सारण के नगर आयुक्त सुमित कुमार को पश्चिम चंपारण का डीडीसी बना कर भेजा गया है. मुजफ्फरपुर के नगर आयुक्त नवीन कुमार को गया का डीडीसी बनाकर भेजा गया है. सासाराम के नगर आयुक्त यतेंद्र कुमार पाल को सारण का डीडीसी बनाया गया है. नालंदा के नगर आयुक्त शेखर आनंद, मुंगेर के नगर आयुक्त निखिल धनराज निप्पणीकर, भागलपुर के नगर आयुक्त नितिन् कुमार सिंह का भी ट्रांसफर कर दिया गया है. इन तीनों को वेटिंग फॉर पोस्टिंग में रखते हुए सामान्य प्रशासन विभाग में योगदान देने को कहा गया है.

राज्य सरकार ने खगडिया की डीडीसी प्रीति को भागलपुर का नगर आयुक्त बनाया है. आरा के डीडीसी विक्रम विरकर को मुजफ्फरपुर का नया नगर आयुक्त बनाया गया है. नवादा के डीडीसी दीपक कुमार मिश्रा को नालंदा का नया नगर आयुक्त बनाया गया है. राज्य सरकार ने इसके अलावा भी कई और आईएएस अधिकारियों का ट्रांसफर किया है. सारण की डीडीसी प्रियंका रानी को नवादा का डीडीसी बनाया गया है. मोतिहारी सदर के एसडीएम श्रेष्ठ अनुपम को मुजफ्फरपुर का डीडीसी बनाया गया है. बिहारशरीफ के एसडीएम अभिषेक पलसिया को खगड़िया का डीडीसी बनाया गया है.

बगहा की डीडीसी अनुपमा सिंह को आरा का डीडीसी बनाया गया है. वैशाली के महुआ की एसडीएम चन्द्रिमा अत्री को पूर्णिया का डीडीसी बनाकर भेजा गया है. सारण जिले के सोनपुर के एसडीएम निशांत विवेक को गोपालगंज का डीडीसी बनाकर भेजा गया है.

11 आईएएस वेटिंग फॉर पोस्टिंग

राज्य सरकार की अधिसूचना के मुताबिक मुजफ्फरपुर के डीडीसी आशुतोष द्विवेदी, नालंदा के डीडीसी वैभव श्रीवास्तव, गया के डीडीसी विनोद दूहन, गोपालगंज के डीडीसी अभिषेक रंजन, पूर्णिया की डीडीसी साहिला, पश्चिम चंपारण, बेतिया की डीडीसी प्रतिभा रानी और् भागलपुर के डीडीसी कुमार अनुराग का ट्रांसफर कर दिया गया है. उन्हें वेटिंग फॉर पोस्टिंग रखते हुए सामान्य प्रशासन विभाग में योगदान देने को कहा गया है.

इसके साथ ही पटना सिटी की एसडीएम गुंजन सिंह, नालंदा के नगर आयुक्त शेखर आनंद, मुंगेर के नगर आयुक्त निखिल धनराज निप्पणीकर, भागलपुर के नगर आयुक्त नितिन् कुमार सिंह का भी ट्रांसफर कर दिया गया है. इन सभी को वेटिंग फॉर पोस्टिंग में रखते हुए सामान्य प्रशासन विभाग में योगदान देने को कहा गया है.

नहीं बनाई हाजिरी तो कटेगी सैलेरी

बिहार में शिक्षकों के लिए 1 अक्टूबर से एप पर ऑनलाइन अटेंडेंस अनिवार्य

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

पटना, शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ एस सिद्धार्थ ने ई शिक्षकोष एप्लीकेशन पर ऑनलाइन अटेंडेंस नहीं बनाने वाले शिक्षकों को चेतावनी जारी की है. उन्होंने कहा है कि 1 अक्टूबर से जिनका एप्लीकेशन पर ऑनलाइन अटेंडेंस नहीं बनेगा, उनका वेतन रुकेगा. इस संबंध में उन्होंने सभी जिला शिक्षा पदाधिकारी को पत्र लिखा है. इसमें यह भी कहा है कि सभी शिक्षक 1 सितंबर को एप्लीकेशन को अपडेट कर लेंगे. एप्लीकेशन में अटेंडेंस बनाने को लेकर नए विकल्प जोड़े गए हैं.

शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ ने कहा है कि सभी शिक्षक 1 सितंबर को अपने एंड्रॉयड फोन के गूगल प्ले स्टोर से ई शिक्षाकोष एप्लीकेशन को अनिवार्य रूप से अपडेट करेंगे. अब शिक्षकों को अटेंडेंस बनाने के लिए दो विकल्प मिलेंगे, जिसमें स्कूल एडमिन का नया विकल्प दिया गया है. पूर्व की तरह प्रधानाध्यापक और शिक्षक स्वयं के मोबाइल से अपना अटेंडेंस बना सकते हैं. इसके अलावा नए विकल्प के तहत विद्यालय के प्रधानाध्यापक द्वारा स्कूल एडमिन के माध्यम से प्रधानाध्यापक और शिक्षक की उपस्थिति दर्ज की जा सकती है. अटेंडेंस बनाने के क्रम में मार्क अटेंडेंस बटन दबाने के बाद विद्यालय प्रांगण में हाजिरी दिखाने के लिए विद्यालय प्रांगण से फोटो खींचकर एप्लीकेशन पर अपलोड करना है. यदि कोई शिक्षक विद्यालय प्रांगण से बाहर ड्यूटी में हैं तो उसके लिए भी अटेंडेंस में प्रबंध है.

5 आरोपी मौके से हुए फरार

पॉक्सो एक्ट के आरोपी को पकड़ने गई पुलिस टीम पर जानलेवा हमला

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

वैशाली, बिहार में अपराधियों का हौसला काफी बुलंद है। राज्य के अंदर आए दिन लोगों की हत्या, गोलीबारी, छिनतई जैसी घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है। आलम यह है कि पुलिस की टीम जब अपराधी और बदमाश किस्म के लोगों को पकड़ने जा रही है तो उनकी टीम पर भी जानलेवा हमला बोला जा रहा है। जिससे सभी लोगों की चिंता बढ़ती हुई नजर आ रही है। ऐसे में अब एक ताजा मामला हाजीपुर से सामने आया है। जहां पुलिस टीम पर जानलेवा हमला किया गया है।

मिली जानकारी के मुताबिक, हाजीपुर में पोक्सो एक्ट के आरोपियों को पकड़ने पहुंची पुलिस टीम पर आरोपियों ने हमला कर दिया। इतना ही नहीं पुलिस टीम ने इस मामले में जिस आरोपी को अरेस्ट किया था उसे भी पुलिस की गिरफ्त से छुड़वा लिया और घटनास्थल से भगा दिया गया। इसके बाद पुरे इलाके में अफरा -तफरी का माहौल कायम हो गया है।

बताया जा रहा है कि वैशाली जिले के करताहां थाने में नाबालिग लड़की से छेड़खानी के मामले में पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही थी। ऐसे में पुलिस की टीम को यह खबर मिली की छेड़खानी मामले के 5 आरोपी पास के सराय थाना क्षेत्र इलाके में छुपे हुए है। इसके बाद पुलिस ने एक टीम तैयार कर आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए आरोपियों के ठिकाने पर पहुंची और घेराबंदी भी कर ली गयी।

वहीं, पुलिस को घेराबंदी करते देख इलाके में आसपास के बदमाशों ने पुलिस को ही घेर लाया और हाथापाई शुरू कर दी। इसी बात का फायदा उठाते हुए पोक्सो एक्ट के आरोपी वहां से फरार हो गए। हालांकि, पुलिस ने खुद पर हमला और बबाल करने के मामले में दो लोगों अरेस्ट कर लिया है। लेकिन, अभी इस पुलिस की गिरफ्त से पोक्सो एक्ट के मुख्य आरोपी फरार है और अभी भी इसकी तलाश जारी है।

बिहार में अपराधियों की बहार

सुप्रीम कोर्ट के जज अहसानुद्दीन अमानुल्लाह के घर में हो गई चोरी

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

पटना, बिहार में क्राइम का लेवल इतना बढ़ गया है कि अब जज भी सेफ नहीं हैं. बिहार की राजधानी पटना में सुप्रीम कोर्ट के जज अहसानुद्दीन अमानुल्लाह के घर चोरी हो गई है. यह घटना सोमवार रात की है. सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह के पाटलिपुत्र थाना के पाटलिपुत्र कॉलोनी स्थित घर में चोरी हुई है. मकान संख्या 133 सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह का निजी आवास है.बताया जा रहा है कि सुप्रीम कोर्ट के जज अहसानुद्दीन अमानुल्लाह का घर बंद था. घर की देखरेख मोहम्मद मुस्तकीम करते हैं. जब चोरी हुआ तो घर में कोई मौजूद नहीं था.

चोरों ने रात में जज साहब के घर हाथ साफ किया है. फिलहाल, चोरों ने घर से क्या-क्या सामान चुराया है, इसकी पूरी डिटेल सामने नहीं आ पाई है. विस्तृत जानकारी का इंतजार है.

दरअसल, जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह दिल्ली में रहते हैं. उनके बड़े भाई बिहार के पूर्व गृह सचिव अफजल अमानुल्लाह हैं. अफजल अमानुल्लाह भी दिल्ली में रहते हैं. अमानुल्लाह की पत्नी परवीन अमानुल्लाह बिहार सरकार की पूर्व मंत्री थीं, जिनका इंतकाल हो चुका है.

सिपाही ने एक को खदेड़कर पकड़ा

पास बैठी थी पुलिस.. कैदियों ने धीरे से निकाली हथकड़ी और हो गए फुर्र

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

पूर्वी चंपारण, पूर्वी चंपारण जिले में मेडिकल जांच के लिए गए दो कैदी हथकड़ी सरकाकर फरार हो गए. हालांकि, पुलिस ने एक कैदी को खदेड़कर पकड़ लिया, जबकि दूसरा कैदी भागने में सफल रहा. फरार कैदी को पकड़ने के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है. चिरैया थाना से इन दोनों कैदियों को ढाका अनुमंडलीय अस्पताल में मेडिकल जांच के लिए लाया गया था.मिली जानकारी के अनुसार चिरैया थाना की पुलिस ने सोमवार को नेपाली शराब के साथ दिपही गांव के श्याम सुंदर कुमार और गोखुला गांव के मनोज कुमार को गिरफ्तार किया था. मंगलवार को दोनों कैदियों को न्यायिक हिरासत में भेजने के पहले पुलिस ने मेडिकल जांच के लिए ढाका अनुमंडलीय अस्पताल भेजा. दोनों कैदियों की मेडिकल जांच कराने एसआई गौतम कुमार और चौकीदार पुत्र सोनू कुमार ढाका गए थे. जहां अस्पताल में ही हथकड़ी सरकाकर फरार हो गए.

कैदी मनोज कुमार अनुमंडलीय अस्पताल के पीछे का चारदीवारी कूदकर वह फरार हो गया, जबकि कैदी श्याम सुन्दर अनुमंडलीय अस्पताल के पूर्वी छोर से भागते हुए प्रखंड कार्यालय होते हुए पीछे के रास्ते से भागने लगा. श्याम सुंदर भागने में सफल रहा लेकिन मनोज को सुरक्षा कर्मियों ने खदेड़कर पकड़ लिया. थानाध्यक्ष अरुण कुमार ने दावा किया कि जल्द ही फरार कैदी को पकड़ लिया जाएगा. नेपाली शराब के साथ पकड़े गए दो युवकों को मेडिकल के लिए ढाका अनुमंडलीय अस्पताल भेजा गया था. जहां से दोनों कैदी हथकड़ी सरकाकर फरार हो गए. एक कैदी को पकड़ लिया गया, जबकि एक भाग गया. फरार कैदी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है.- अरुण कुमार, थानाध्यक्ष, चिरैया थाना।

बिहार में अब महिलाओं को डरने की जरूरत नहीं

5 सितंबर से सुरक्षित सफर सुविधा की शुरुआत, मनचलों से निपटने की पुलिस ने कसी कमर

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

पटना, महिलाओं के लिए अछी खबर पटना से आ रही है। अब उन्हें किसी से डरने की जरूरत नहीं है। उनकी सुरक्षा के लिए बिहार पुलिस हर वक्त उनके साथ है और आगे भी रहेगी। बिहार पुलिस अब बहुत जल्द सुरक्षित सफर सुविधा शुरू करने जा रही है। 05 सितंबर से इसकी शुरुआत भी हो जाएगी। पहले बिहार के 6 जिलों में इसे पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर शुरू किया जाएगा। पटना, मुजफ्फरपुर, भागलपुर, गया, बेगूसराय एवं नालंदा में शुरुआत के बाद दस दिन बाद 15 सितम्बर से इस सेवा को पूरे राय में लागू किया जाएगा। यह सुविधा नि:शुल्क होगी।

दरअसल त्योहारों का मौसम आने वाला है। दुर्गा पूजा, दीपावली, छठ पूजा के मौके पर महिलाओं का आवागमन बढ़ जाता है। पर्व-त्योहारों की खरीदारी को लेकर महिलाएं देर रात्रि तक मार्केट में रहती है। उन्हें रात में किसी तरह की परेशानी ना हो इसका ख्याल अब बिहार पुलिस रखेगी। देश में महिलाओं के साथ हो रही घटनाओं को लेकर बिहार पुलिस ने अपनी कमर कस ली है। मनचलों से निपटने के लिए बिहार पुलिस सुरक्षित सफर सुविधा की शुरुआत 5 सितंबर से करने जा रही है जो महिलाओं के लिए किसी हथियार से कम नहीं होगा। इसकी मदद से महिलाएं पुलिस की मदद ले सकती है। सुरक्षित सफर सुविधा से महिलाएं अपने घर के बाहर भी सुरक्षित महसूस करेंगी और हर्षोल्लास के साथ दशहरा, दिवाली और छठ त्योहार मनाएंगी।

अब बिहार की महिलाएं अपने घर से बाहर कहीं भी और कभी भी बिहार पुलिस की मदद से सुरक्षित यात्रा कर सकेंगी। उन्हें सिर्फ 112 पर कॉल करना होगा। डायल 112 उनकी सेवा में चौबीस घंटे और सातों दिन तत्पर रहेगी। फोन करते ही पुलिस मौके पर पलक झपकते ही पहुंच जाएगी। इसलिए अब महिलाएं निडर होकर घर के बाहर भी घूम सकेंगी। डायल 112 नंबर पहले से और यादा तकनीकी सुविधाओं से लैस होगा। इसका विस्तार किया जाएगा। इसे सुरक्षित सफर सुविधा से जोड़ा जाएगा। इस पूरे प्रोजेक्ट में ष्ट-ष्ठष्ट तकनीकी सहायता प्रदान करेगी। जिसके तहत महिलाएं पूरी यात्रा के दौरान बिहार पुलिस के संपर्क में रहेगी और डायल 112 की टीम नियमित अंतराल पर उनकी सुरक्षा का जायजा लेती रहेगी।

यदि अपनी यात्रा के दौरान महिलाएं 112 पर कॉल कर इस सुविधा का अनुरोध करती हैं तो डायल 112 की टीम उनकी यात्रा का डिजिटली मॉनिटरिंग करेगी। गंतव्य स्थान पर पहुंचने तक डायल 112 की टीम कॉल करते रहेगी और उक्त महिला की सुरक्षा का जायजा लेती रहेगी। जब तक महिला सुरक्षित अपने घर नहीं पहुंच जाती तब तक डायल 112 की टीम डिजिटली रूप से उनसे जुड़ी रहेगी। महिलाओं को सुरक्षित घर तक पहुंचाने का बीड़ा बिहार पुलिस ने उठाया है। ऐसे में अब बिहार की बेटियां खुद को कमजोर नहीं समझेंगी और निडर होकर यात्रा करेगी।

सुरक्षित सफर सुविधा के शुरू होते ही मनचलों की शामत आ जाएगी। इसलिए दूसरे की बहू बेटियों पर नजर रखने वाले मनचले अभी से ही अपनी आदत सुधार लें अन्यथा उनकी खातिरदारी करने के लिए बिहार पुलिस तैयार है। बिहार की बहू, बेटी और मां की सुरक्षा की जिम्मेदारी पुलिस ने अपने कंधों पर लिया है। ऐसे में अब बदमाशों की खैर नहीं है। यदि किसी के साथ छेड़खानी की तो डायल 12 की ईआरवी (इमरजेंसी रिस्पॉस व्हीकल) टीम उनकी मदद के लिए तत्काल मौके पर पहुंचेगी। महिलाओं की सुरक्षा को लेकर इस सुविधा की शुरुआत 5 सितंबर से होने जा रही है।